ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-11-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-25	2023-11-26	2023-11-27	2023-11-28	2023-11-29
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	26.0	26.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	16.0	15.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	22	29	43	49	38
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	15	27	23	26	21
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	12	11	13	11
पवन दिशा (डिग्री)	73	101	57	60	40
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	6	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 26.0 से 30.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 13.0 से 16.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों नें गेहूं, जौ, जीर व ईसबगोल की बुवाई अभी तक नही की है जल्द से जल्द उन्नत किस्मों की बुवाई करें तथा बीज को कार्बनडेजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

27 नवंबरको हल्की वर्षा की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों में 30-35 दिन की फसल पर सिंचाई करें तथा इसी समय 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
चना	चने में कटवर्म किट की रोकथाम हेतु क्यूनॉलफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की बुवाई के लिए बीज की मात्रा 100 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरको की मात्रा 60, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफॉस 20 ईसी 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ दें।
चना	चने की 40 दिन की फसल पर प्रथम सिंचाई करें। फसल में दीमक के प्रकोप को कम करने के लिए चार लीटर क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है। बुवाई हेतु आर.जेड-19, आर.जेड-209, जी.सी-4 व आर.जेड-223 उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 12-15 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। बुवाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम या 4 ग्राम टाईकोडरमा विरिडी से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
बेर	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि बेर में अभी फूल से फल बनने की अवस्था चल रही हैं अतः भारी सिंचाई न करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने का विशेष ध्यान रखें तथा रात के समय नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे ।